



Jeev-jantuon Par Adharit Pauranik Kathayen - 2 जीव-जन्तुओं पर आधारित पौराणिक कथाएं (भाग-2)



Author: Santhini Govindan सान्थनि गोविन्दन

Format: Paperback

ISBN: 8178061899

Code: 9387B

Pages: 70

Price: Rs. 125.00 US\$ 5.00

Publisher: Unicorn Books

Usually ships within 15 days

भारतीयों की प्राचीनकाल से ही यह मान्यता रही है कि पशु-पक्षी उनके जीवन का अभिन्न अंग हैं. अपने इसी प्रेम की अभिव्यक्ति के उनके संरक्षण और देख-रेख में करते हैं. हनुदुओं के देवी-देवताओं का वाहन या तो कोई पशु है या फिर कोई पक्षी. ये वाहन समय आने पर उन्हें उनके लोकों से अन्य लोकों का भ्रमण ही नहीं कराते, अपितु अपने दविय गुण-संपन्न स्वामियों के जीवन के अन्य संदर्भों में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है. ये युद्ध भूमि में जहां शत्रुओं का संहार करते हैं, वहीं अपने स्वामियों के भक्तों की श्रद्धा-भक्तिकी परीक्षा भी लेते हैं. प्रस्तुत कथासंग्रह में नमिनलखित कहानियां हैं:

- जटायु और सम्पाति
- राजा शविका संकल्प
- गुरुड की कहानी
- सुरपदम कैसे बना मयूर
- हनुमान और मकरवज
- धेनुकासुर का वध
- श्री वषिष्णु द्वारा गजेन्द्र की रक्षा
- सुग्रीव-बालिका युद्ध

इन कहानियों में ज्ञान के साथ-साथ रोचकता, मनोरंजन और लोककथाओं व पुराणों की कथाओं का समन्वय है, जो बच्चों का ही नहीं, परिवार के प्रत्येक सदस्य का मनोरंजन करेगी.

About Unicorn Books

Unicorn Books publishes an extensive range of books that are both affordable and high-quality.